आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 04.03.2026 समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- राज्य में रंगों का पर्व होली पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग से उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– राज्य सरकार, चारधाम यात्रा और कुंभ मेले में बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध।
- कैबिनेट मंत्री डॉक्टर धनसिंह रावत ने 25 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पौड़ी ज़िले के ढौर–सकन्याणा तल्ला मोटर मार्ग के डामरीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

होली

राज्य में आज रंगों का पर्व होली पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी है। मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना का दौर जारी है और लोग एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दे रहे हैं।

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के सभी हिस्सों में सुबह से ही बच्चे और युवा टोलियों में निकलने लगे हैं। घरों में गुझिया, पापड़ और पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर होली मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

कुमाऊं क्षेत्र में पारंपरिक बैठकी होली के समापन के साथ ही आज खड़ी होली की धूम देखने को मिल रही है। वहीं गढ़वाल क्षेत्र में भी ढोल–दमाऊं की थाप पर होली के गीत गूंज रहे हैं।

प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। प्रमुख शहरों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात है, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

सुरक्षा व्यवस्था

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से मनाने के लिए नैनीताल पुलिस अलर्ट मोड में है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्र ने लोगों से सौहार्दपूर्वक होली मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। शराब पीकर वाहन चलाने, हुड़दंग, मारपीट और जबरन रंग लगाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट पर भी निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है तथा यातायात व्यवस्था के लिए विशेष योजना लागू की गई है। आमजन से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना डायल 112 पर देने की अपील की गई है।

प्रधानमंत्री संबोधन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग से उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौतों से अपार अवसर खुले है, जिससे भारतीय उद्योग पर उत्पादों की गुणवत्ता पर जोर देने की नई जिम्मेदारी आ गई है। श्री मोदी बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय था– 'आर्थिक विकास को बनाए रखना और मजबूत करना'।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ विश्व के लिए आशा की किरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि तीव्र आर्थिक विकास, विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की आधारशिला है।

स्वास्थ्य शिविर

जन औषधि सप्ताह के तहत देहरादून के जाखन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 68 मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां दी गईं। इनमें 31 महिलाएं, 28 वरिष्ठ नागरिक और 9 अन्य लाभार्थी शामिल रहे।

शिविर में शुगर, ई.एस.आर, हीमोग्लोबिन, सीबीसी और डायबिटीज की जांच की गई। दो परामर्श सत्र आयोजित किए गए और मरीजों को जन औषधि की दवाइयों सहित अन्य आवश्यक दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं।

कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने जन औषधि दवाइयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों से सस्ती और भरोसेमंद दवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चारधाम यात्रा के लिये सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हरिद्वार में पत्रकारों के साथ बातचीत में श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार तीर्थयात्रा और हरिद्वार में होने वाले कुंभ मेले में बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी कर रहे हैं।
वहीं, पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वहां फंसे प्रवासी उत्तराखण्डियों को प्रभावित क्षेत्रों से निकालने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों को रेस्क्यू करने के लिये विदेश मंत्रालय से संपर्क किया जा रहा है।

शिलान्यास

उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने 25 करोड़ से अधिक की लागत से पौड़ी ज़िले के ढौर–सकन्याणा तल्ला मोटर मार्ग के डामरीकरण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस सड़क की आवश्यकता महसूस की जा रही थी और इसके निर्माण से ग्रामीणों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। बेहतर सड़क सुविधा से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा स्थानीय व्यापार, किसानों और विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। डॉ. रावत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।
इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने जिला चिकित्सालय पौड़ी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात की और डॉक्टरों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रूट चार्ट

आगामी 6 से 9 मार्च तक आयोजित होने वाले टिहरी झील महोत्सव 2026 को देखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष रूट चार्ट जारी किया है। इसका उद्देश्य महोत्सव के दौरान पर्यटकों और स्थानीय लोगों के आवागमन को सुगम और व्यवस्थित बनाना है। एक रिपोर्ट–

जारी रूट चार्ट में विभिन्न मार्गों का निर्धारण किया गया है। इसमें बसों की संख्या, वाहनों की उपलब्धता के केंद्र, संबंधित नोडल अधिकारियों और संपर्क कार्मिकों का विवरण शामिल है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

जिलाधिकारी ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि तीन दिन तक विशेष रूट चार्ट प्रभावी रहेगा और पर्याप्त बसों की व्यवस्था की गई है। रूट चार्ट में नरेंद्रनगर, भिलंगना, थौलधार–चंबा, जौनपुर, जाखणीधार, कीर्तिनगर, प्रतापनगर और जिला मुख्यालय से जुड़े प्रमुख मार्ग शामिल किए गए हैं।

आयोजन

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून की पहल पर एकीकृत पर्यावरण क्षमता निर्माण कार्यशाला का मॉडल अब देहरादून में बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर में राज्य स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 210 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के अपर निदेशक डॉ. आशीष कुमार ने बताया कि मार्च–अप्रैल में देहरादून में इसी मॉडल पर व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और आगे इसे देशभर में लागू करने की योजना है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य उद्योग, शिक्षा जगत, सलाहकारों और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच पर लाना है, ताकि पर्यावरणीय नियमों की समझ विकसित हो और पर्यावरण प्रबंधन को टिकाऊ औद्योगिक विकास से जोड़ा जा सके।